Indian Council of World Affairs
Sapru House, Barakhamba Road
New Delhi

10वां सप्रु हाउस व्याख्यान

द्वारा

महामहिम राजदूत जॉन डब्लू. आशे

संयुक्त राष्ट्र संघ महासभा (यूएनजीए)

के

68वें सत्र का अध्यक्ष

विषय

“2015 के बाद की विकास कार्यसूची और सतत विकास लक्ष्य”

स्थान

सप्रु हाउस, नई दिल्ली

21 मार्च, 2014

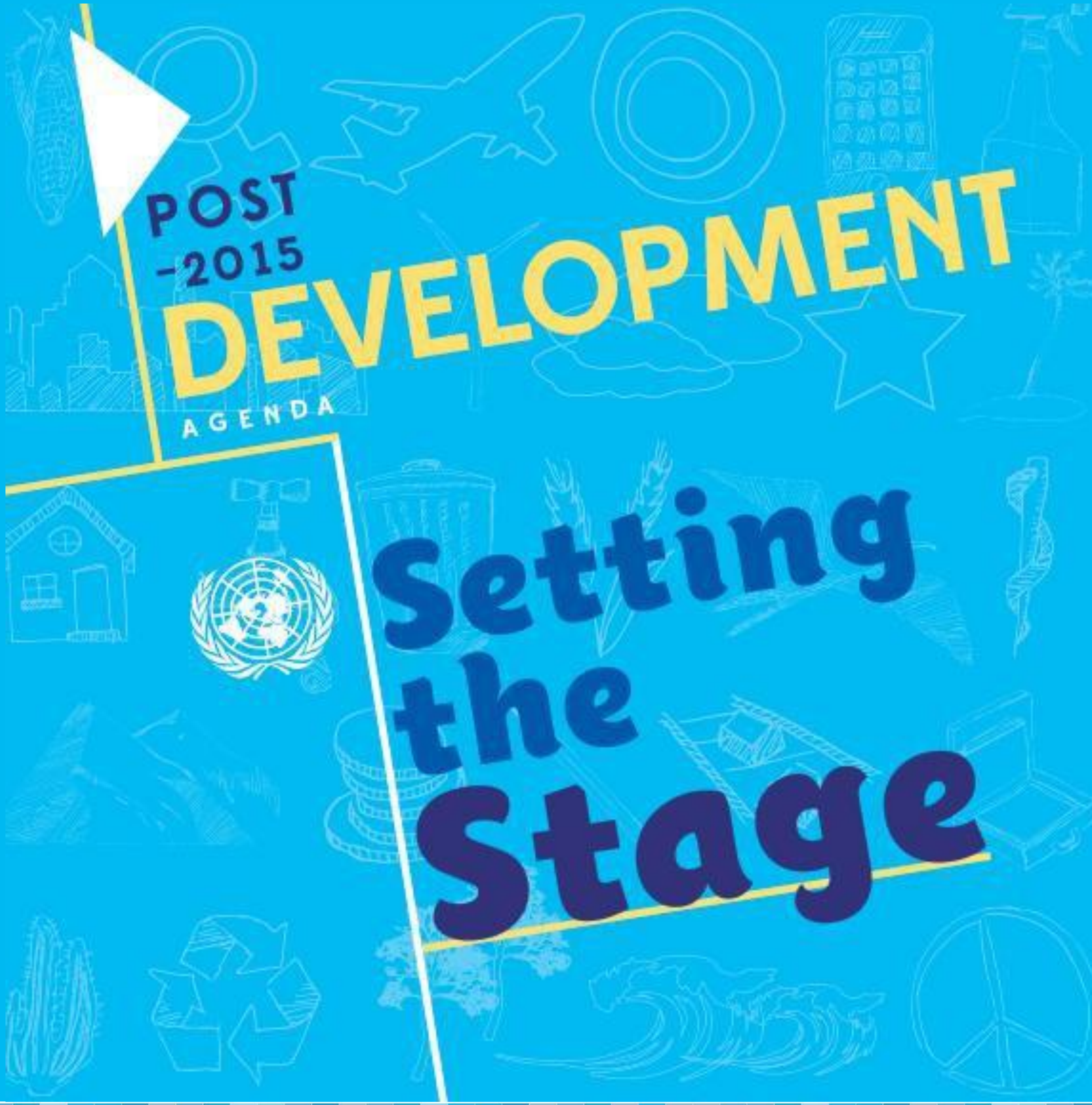
POST
-2015
DEVELOPMENT
AGENDA
Setting
the
Stage

वर्ष 2000 में........

हम पुरूषों, महिलाओं और बच्चों को अत्यधिक गरीबी की दयनीय और अमानवीय दशाओं से मुक्ति दिलाने में कोई प्रयास शेष नहीं रखेंगे। [...]

संयुक्त राष्ट्र सहस्राब्दी घोषणा

189 राष्ट्रों द्वारा सबसे गरीब और सबसे संवेदनशील समुदायों को वैश्विक विकास के केन्द्र में रखने की प्रतिज्ञा।

सहस्राब्दी विकास लक्ष्य

WE CAN
END POVERTY
2015 MILLENNIUM DEVELOPMENT GOALS

देशों के बीच और देशों में असमान प्रगति है

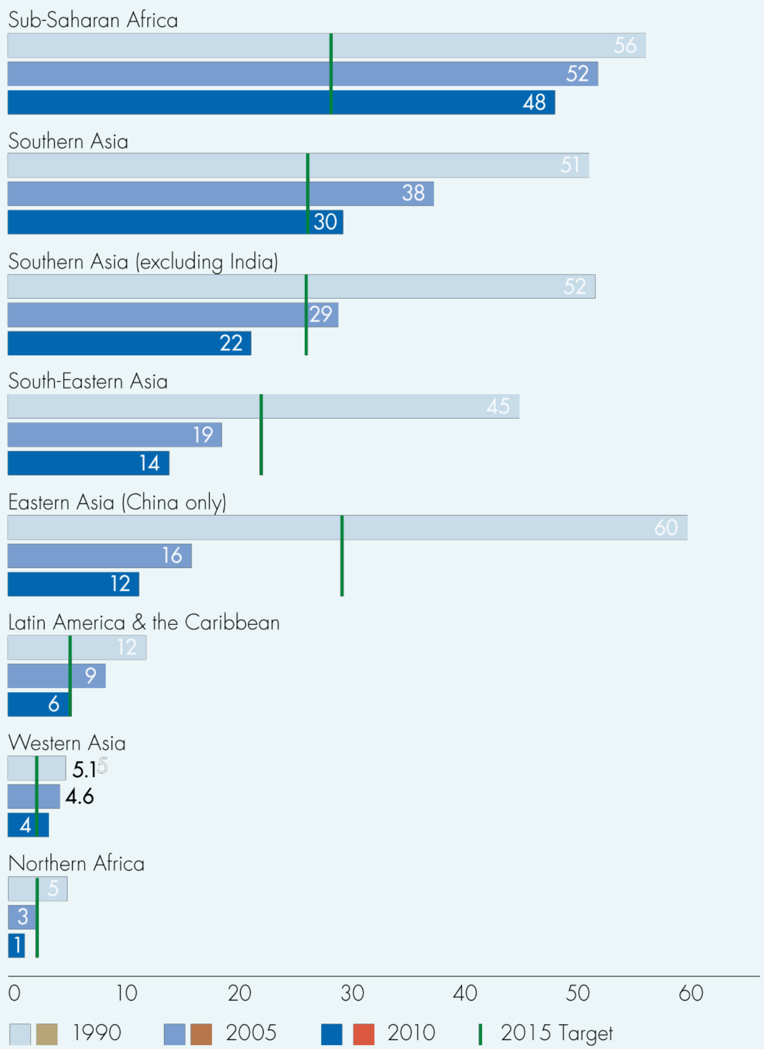

1.25 डॉलर से भी कम की प्रतिदिन की आमदनी पर जीवन यापन कर रहे लोगों का

With less than **700** days to

अनुपात, *1190*, *2205* और
2010

गरीबी में जीवन यापन कर रहे लोगों की आधी संख्या

पेयजल के संवर्धित स्रोत तक पहुंच पाने वाले 2 बिलियन से अधिक लोग

विकासशील देशों के नगरों और महानगरों में झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाले लोगों का अनुपात घट रहा है।

एचआईवी, मलेरिया और क्षय रोग से पीड़ित लोगों की संख्या में कमी आयी है।

- ***स्वच्छता लक्ष्य सभी लक्ष्यों से सबसे अधिक पीछे है।***
- सुधार के बावजूद मातृत्व स्वास्थ्य और बाल उत्तरजीविता दर पूरा नहीं हो पाएगा।
- अब कम सहायता राशि उपलब्ध है।
- स्त्री पुरूष असमानता सहित असमानताएं प्रत्ययकारी है।
- हम नयी और उभरती हुई पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर र हैं।

- 1.3 बिलियन से अधिक लोग अत्यंत गरीबी में रह रहे हैं।
- **783** मिलियन लोगों को साफ पानी उपलब्ध नहीं है।
- **1.4** बिलियन लोगों को बिजली की सुविधा प्राप्त नहीं है।
- **2.5** बिलियन लोगों के पास समुचित स्वच्छता की सुविधा नहीं है और एक बिलियन लोग खुले में शौच करते हैं।

2015 के बाद की नयी कार्यसूची

हम [...] अपने ग्रह के आर्थिक , सामाजिक और पर्यावरणीय धारणीय भविष्य तथा वर्तमान व भावी पीढ़ी के संवर्धन को सुनिश्चित करने एवं सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दुहराते हैं।

RIO+20
United Nations
Conference on
Sustainable
Development

सहस्राब्दी विकास लक्ष्य संबंधी संरचना.....

- पहुंच लक्ष्य: **गरीबी उन्मूलन**
- **एमडीजी के अपूर्ण कार्य को पूरा करना**
- कार्योन्मुखी और समयबद्ध लक्ष्य (2030)

. . . किंतु यह सामान्य कार्य नहीं है।

- *वैश्विक रूप से प्रयोज्य लक्ष्यों के साथ एकल संरचना*
- सामान्य किंतु विभेदक जिम्मेदारियां।
- सतत विकास के तीनों स्तंभों का संतुलित समाकलन।
- उर्ध्वगामी दृष्टिकोण।
- डिजाइन और कार्यान्वयन स्तर दोनों पर सभी हितधारकों को शामिल करना।

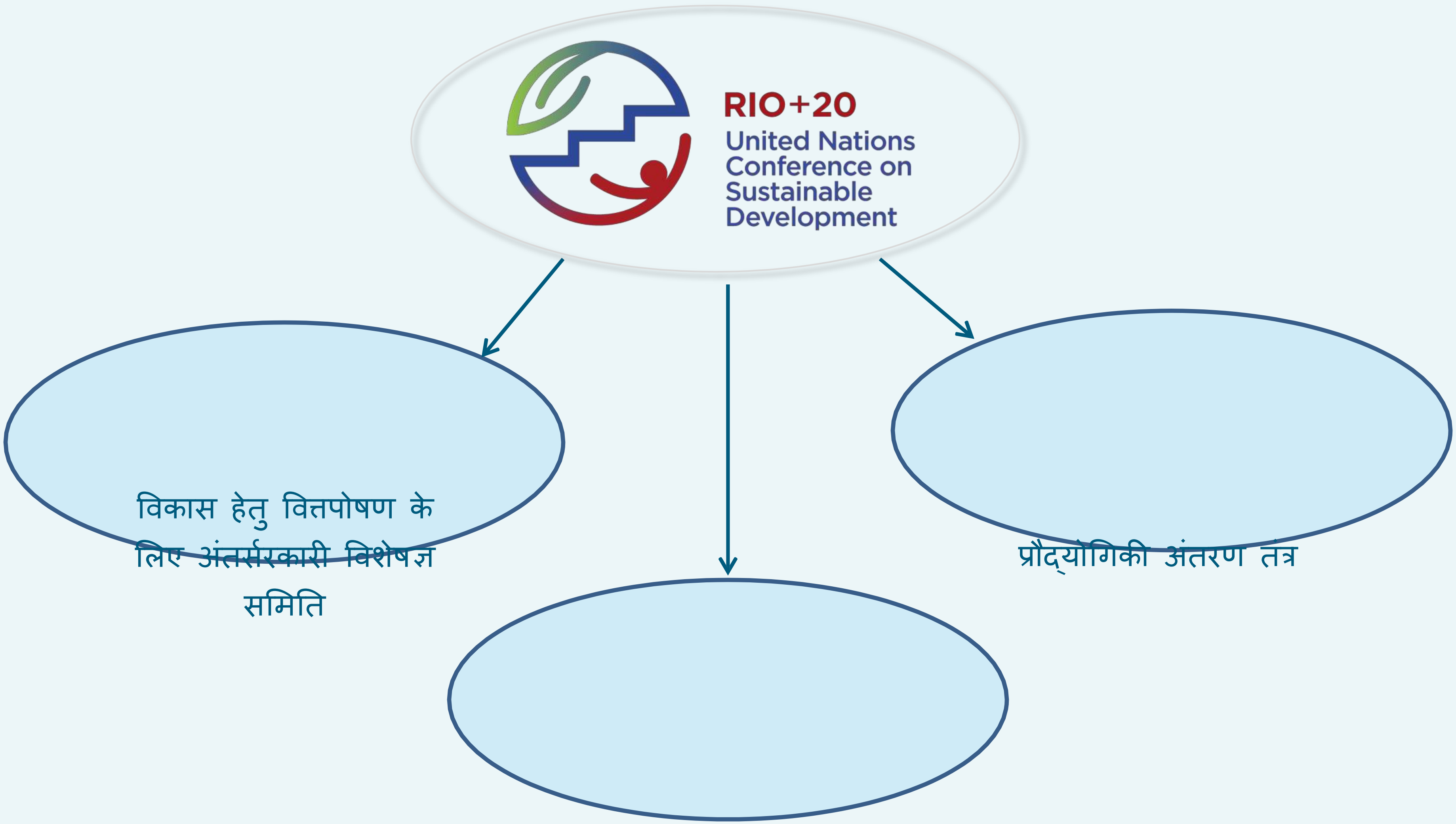
RIO+20
United Nations Conference on Sustainable Development
विकास हेतु वित्तपोषण के लिए अंतर्सरकारी विशेषज्ञ समिति
प्रौद्योगिकी अंतरण तंत्र

Rio+20 Mandated Processes

सतत विकास लक्ष्य संबंधी
मुक्त कार्यकारणी समूह

- **30** सदस्य
- मार्च, 2013 से फरवरी, 2014 तक- प्रगति रिपोर्ट में सर्वेक्षण के आठ सत्रों को अंतिम रूप दिया गया।
    - 50 से अधिक विशेषज्ञ प्रस्तुतीकरण
    - **29** यूनएन प्रणाली ने संक्षिप्त जानकारी जारी की।
    - **27** सांख्यिकीय अनुबंध
    - सैंकड़ों विवरण और मध्यवर्तन
    - 200 से अधिक सहायक कार्यक्रम
- पहचान किए गए 19 फोकस वाले क्षेत्र

- परिवर्तनकारी बदलाव के लिए संभावना वाले क्षेत्र।
- एसडीजी के लिए चर्चा के आधार के रूप में कार्य करना।
- अधिक संक्षिप्त दस्तावेज के रूप में सुव्यवस्थित किया जाएगा।

1. गरीबी उन्मूलन
2. खाद्य सुरक्षा और पोषण
3. स्वास्थ्य और जनसंख्या गतिशीलता
4. शिक्षा
5. लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण
6. जल और स्वच्छता
7. ऊर्जा
8. आर्थिक विकास
9. औद्योगिकीकरण
10. अवसंरचना
11. सभी लोगों के लिए रोजगार और सम्मानजनक कार्य
12. समानता को बढ़ावा देना
13. धारणीय शहर और मानव बसावट
14. धारणीय खपत और उत्पादन
15. जलवायु
16. समुद्री संसाधन, महासागर और समुद्र
17. पारिस्थितिकी और जैव प्रौद्योगिकी
18. कार्यान्वयन के तरीके
19. शांतिपूर्ण और अहिंसक समाज, सक्षम संस्थाएं

विकास हेतु वित्तपोषण संबंधी विशेषज्ञ समिति

- क्षेत्रीय समूह द्वारा 30 विशेषज्ञों द्वारा नामित किया गया।
- तीन कलस्टरों पर कार्य करना

1. वित्त संबंधी आवश्यकताओं का मूल्यांकन, चालू प्रवाह एवं उभरती प्रवृत्ति का मैपिंग तथा घरेलू व अंतरराष्ट्रीय वातावरण का प्रभाव।
2. संसाधनों को जुटाना और उनका प्रभावी उपयोग करना।
3. संस्थागत व्यवस्था, नीतिगत तालमेल, सहक्रिया और शासन व्यवस्था।

महासभा का 68वां सत्र

कार्यक्षेत्र की स्थापना

2015 के बाद विकास कार्यसूची में महिलाओं, युवाओं और नागरिक समाज का योगदान (6-7 मार्च)

2015 के बाद विकास कार्यसूची (21-22 मई) के लिए दक्षिण-दक्षिण, उत्तर-दक्षिण और त्रिकोणीय सहयोग और सूचना व संचार प्रौद्योगिकी।

2015 के बाद विकास कार्यसूची (9-10 जून) में मानवाधिकार और कानून व्यवस्था।

2015 के बाद विकास संबंधी कार्यसूची (18-19 फरवरी) में जल, स्वच्छता और धारणीय ऊर्जा

2015 के बाद विकास कार्यसूची (8-9 अप्रैल) के लिए साझेदारी की भूमिका और इसका योगदान।

शांतिपूर्ण और स्थायी समाज को सुनिश्चित करना (24-25 अप्रैल)

- जल और ऊर्जा संबंधी स्टैंडअलोन लक्ष्यों के लिए व्यापक सर्वसम्मति
- कार्यान्यवयन के तौर तरीकों का अत्यधिक महत्व।
- वित्तपोषण के प्रकार (ओडीए, निजी क्षेत्र)
- सभी हितधारकों में साझेदारी
- मजबूत संस्थाएं और निगरानी रूपरेखा।

- कई राष्ट्रों ने स्त्री पुरूष के संबंध में अलग लक्ष्य का आह्वान किया (फिर भी स्त्री-पुरूष समानता संबंधी मामले मुख्यधारा में होने चाहिएं)
- कुछ राष्ट्रों ने युवा लक्ष्य का आह्वान किया।
- नागरिक समाज का समाकलन
- इन सभी तीन समूहों में निर्णय लेने की गुंजाइश होने की आवश्यकता है।

सर्वेक्षण संबंधी कार्यक्रम

(सितम्बर, 2014)

- विकास हेतु वित्तपोषण संबंधी मुक्त कार्यसमूह और विशेषज्ञ समिति सितम्बर, 2014 तक महासभा को अपनी रिपोर्ट सौपेंगे।
- **69**वें सत्र के दौरान अंत: सरकारी समझौता।
- सितम्बर, 2015 के शिखर सम्मेलन में 2015 के बाद की विकास कार्यसूची को अपनाना।

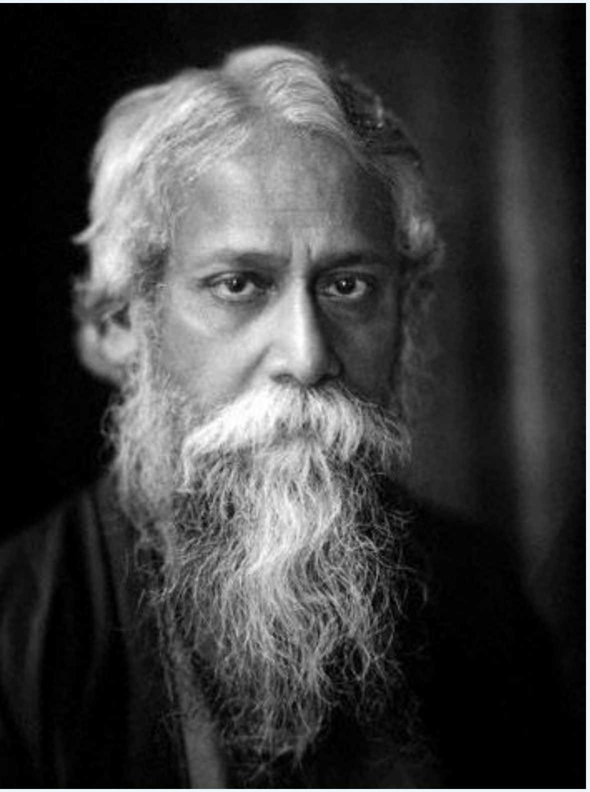

मैं सोया और सपना देखा कि जीवन आनंदमय है।

मेरी नींद खुली और देखा कि जीवन एक सेवा है।

मैंने कर्म किया और देखा कि सेवा आनंद है।

रबीन्द्रनाथ टैगोर